ईश्वरकृष्णविरचिता

सांख्यकारिका

विस्तृत भूमिका, अन्वय, हिन्दी अनुवाद, चन्द्रिका हिन्दी व्याख्या,

तथा गौडपाद भाष्य सहित

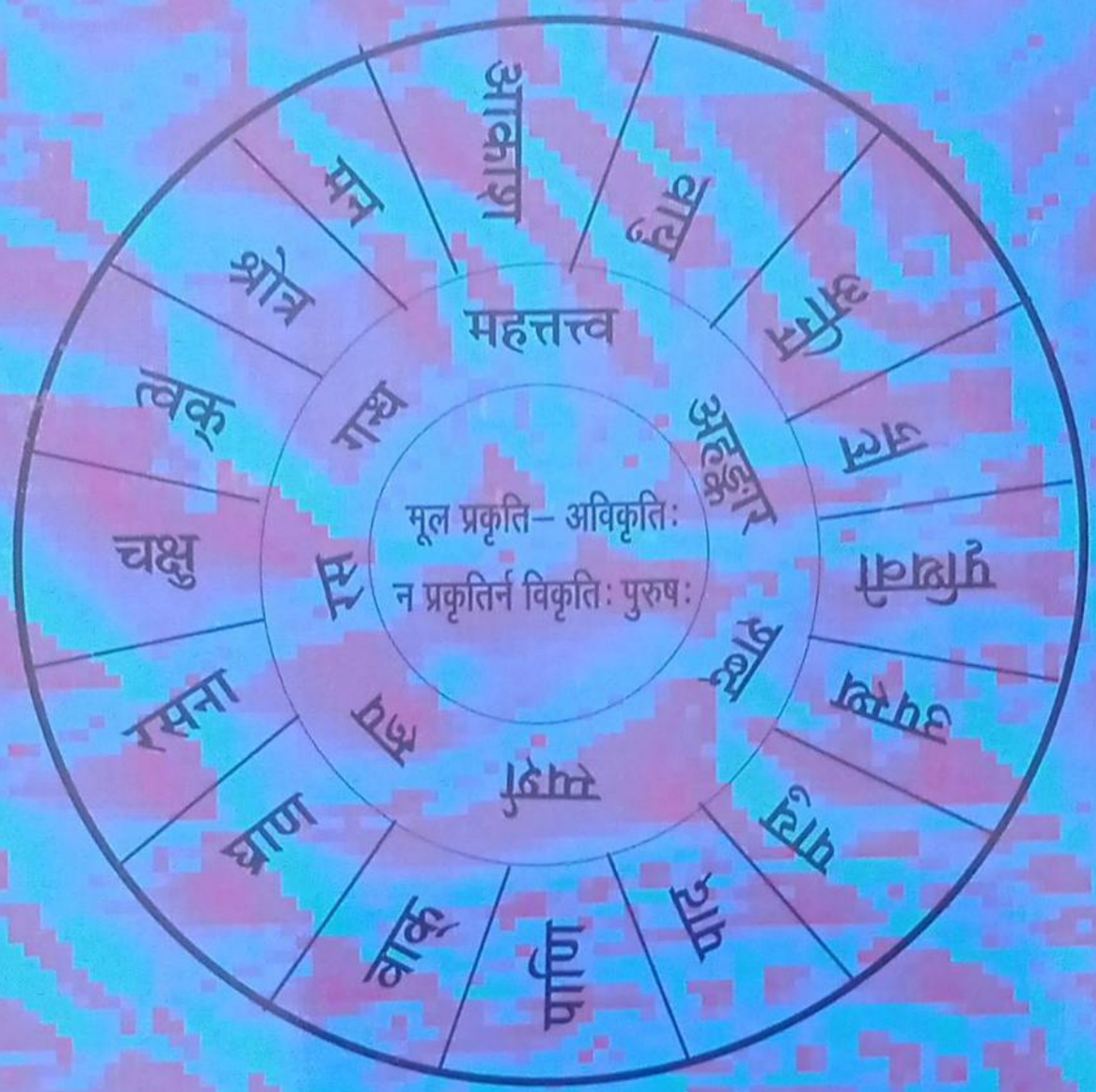

हिन्दी व्याख्याकार

डॉ० राकेश शास्त्री

Scanned by TapScanner

विषयानुक्रमणी

१. प्रास्ताविकम्

२. भूमिका ७-८

(क) दर्शन से अभिप्राय ११-६३

(ख) दर्शन का विकास ११

(ग) भारतीयदर्शन एक परिचय ११

(घ) सांख्यदर्शन के मूलस्रोत १२

(ङ) उपनिषदों में सांख्य दर्शन १६

(च) सांख्य के प्रमुख आचार्य एवं रचनाएँ १७

(कपिल, आसुरि, पञ्चशिख, विन्ध्यवासी, जैगीषव्य, वार्षगण्य, अन्य) १९

(छ) सांख्य के प्रमुख प्राचीन ग्रन्थ (सांख्य-सूत्र, षष्ठितन्त्र, राजवार्त्तिक, १९-२२

एपिक सांख्य, अर्वाचीन सांख्यसूत्र, तत्त्व-समास) २५-२९

(ज) ईश्वरकृष्ण सांख्यकारिका, एवं प्रमुख टीका, प्रटीकाएँ २९

(ईश्वरकृष्ण-काल, सांख्यकारिका, महत्त्व, वर्ण्यविषय, टीकाएं, प्रटीकाएँ) २९-३६

(झ) सांख्यदर्शन के प्रमुख सिद्धान्त ३७

(i) सांख्य का प्रयोजन ३७

(ii) पुरुष (ज्ञ) ४०

(iii) प्रकृति (अव्यक्त) (क) सत्त्व (ख) रजस् (ग) तमस् ४४-४८

(iv) सृष्टिप्रक्रिया ४८

(v) प्रलयावस्था ५३

(vi) सूक्ष्म-शरीर ५३

(vii) स्थूलशरीर ५४

(viii) प्रमाण (क) प्रत्यक्ष (ख) अनुमान (ग) आप्त (शब्द) ५५-५८

(ix) सत्कार्यवाद ५९

(x) पुरुष-बहुत्व ६०

Scanned by TapScanner

(xi) बन्धन ६०

(xii) मोक्ष ६२

३. सांख्यकारिका 'चन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या १-१७९

४. परिशिष्ट १८०-२०५

(i) गौडपादभाष्य १८०-२०२

(ii) सहायकग्रन्थ-सूची २०३

(iii) कारिकानुक्रमणी २०४-२०५

Scanned by TapScanner